Course Outcome , BA (Hons) & BA (Prog) , Department Of Hindi

पेपर नम्बर	पेपर नाम
1	**हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास**
1	हिंदी भाषा एवं लिपि के माध्यम से भाषा के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक रूप का ज्ञान होगा
2	हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा
3	हिंदी भाषा का क्षेत्र विस्तार एवं उसका इतिहास जान सकेंगें
4	देवनागरी लिपि का महत्व और उसके योगदान से परिचित होंगें.
2	**हिंदी कविता (आदिकाल एव भक्तिकालीन काव्य)**
1	आदिकाल के परिवेश , राजनीतिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगें
2	आदिकाल में अमीर खुसरो के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे.
3	भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है. इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा
4	भक्तिकाल साहित्य सामन्ती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विशिष्ट उपलब्धि है.
3	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)**
1	इसके अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, कालविभाजन एवं नामकरण आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2	इसके अंतर्गत विद्यार्थी आदिकाल के राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिवेश, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
3	इसके अध्ययन से विद्यार्थी भक्ति आंदोलन और उसके अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्तिकाल की धाराओं जैसे निर्गुण- सगुण आदि से परिचित हो सकेंगे।
4	इसके अध्ययन से विद्यार्थी रीतिकाल की युगीन पृष्ठभूमि, काव्य प्रवृत्तियों, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध रीतिमुक्त काव्यधारा, वीर काव्य, भक्ति काव्य एवं नीति काव्य आदि से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
4	हिंदी कविता (रीतिकालीन काव्य)
1	रीतिकालीन काव्य के इतिहास और परिवेश को समझेंगे.
2	केशवदास और रहीम की पदावली एवं रचनाओं को जान सकेंगें.
3	बिहारी के साहित्य को विस्तार से समझेंगें.
4	घनानंद, भूषण और गिरिधर राय के छंदों और ग्रंथों को अध्ययन करेंगें.
5	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**
1	साहित्येतिहास की अध्ययन की प्रक्रिया में आधुनिक बोध ,नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन के महत्व को समझेंगे.
2	साहित्य की विविध महत्वपूर्ण विधाओं के अंतर्संबंध को पढेंगें

3	आधुनिक काल की प्रमुख युगों छायावाद, उत्तर छायवाद , प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के योगदान को समझ सकेंगें.
4	समकालीन और उत्तर आधुनिक काल की साहित्यिक परिवर्तन को समझेंगें.
6	**हिंदी कविता (आधुनिक काल छ्यावाद तक)**
1	इस काल के कवियों और उनके साहित्यिक योगदान को समझेंगे.
2	छात्र , यशोधरा के माध्यम से नारी भावना को समझेंगे.
3	जयशंकर और निराला के काव्य से युगीन परिवेश के महत्व को समझेंगे.
4	रामधारी सिंह दिनकर और सुभद्राकुमारी चौहान के राष्ट्रीय चेतना को जान सकेंगे.
7	**हिंदी कहानी**
1	हिंदी की आरंभिक कहानियों एवं स्वतंत्रता पूर्व हिंदी कहानी के समग्र परिदृश्य का अध्ययन एवं तत्संबंधी समझ का विकास होगा.
2	पांचवें छठे दशक की हिंदी कहानी और उसकी प्रवृत्तियों से परिचय एवं उस सम्बन्ध में समझ का विकास होगा.
3	नयी कहानी आन्दोलन से परिचय एवं नयी कहानी के कहानीकारों की कहानियों के माध्यम से उसके सम्बन्ध में समझ का विकास होगा.
4	नयी कहानी, सचेतन कहानी, सहज कहानी समानांतर कहानी, जनवादी कहानी आदि की समझ विकसित करते हुए अस्मितामूलक विमर्श के संदर्भ तथा समकालीन कहानी आदि का परिचय तथा उस सम्बंध में व्यापक समझ का विकास होगा.
8	भारतीय काव्यशास्त्र
1	भारतीय काव्यशास्त्र की समृध परम्परा से परिचित हो सकेंगे.
2	आचार्य भरत मुनि से आचार्य जगन्नाथ तक के काव्य लक्षण, प्रयोजन को समझेंगे
3	रस, शब्द, गुण और दोष का आलोचनात्मक अध्ययन करेंगे.
4	अलंकर और छन्दों के महत्व और उसकी उपयोगिता को समझेंगे.
9	**हिंदी कविता (छायावाद के बाद)**
1	विद्यार्थी कविता के अनुभति और अभिव्यक्ति दोनों पक्षों को समझेंगे
2	अज्ञेय और नागार्जुन की कविता संवेदना को समझने में सक्षम होंगें
3	रघुवीर सहाय और दुष्यंत कुमार के समकालीन परिवेश को जान सकेंगे.
4	केदारनाथ, धूमिल, भवानी प्रसाद मिश्र और राजेश जोशी के कविताओं में निहित व्यंग्य को समझेंगे
10	**हिंदी उपन्यास**

1	हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान होगा.
2	कथा साहित्य के विश्लेष्ण पद्धति को समझेंगे
3	कर्मभूमि और चित्रलेखा उपन्यास का आलोचनात्मक अध्ययन करेंगे.
4	आपका बंटी उपन्यास का समकालीन कथा साहित्य को समझ सकेंगें.
11	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**
1	पाश्चत्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित होगी
2	अरस्तु और लुंजैनस की साहित्यिक अवधारणा को समझेंगे.
3	वर्ड्सवर्थ और कालरिज के काव्यभाषा सम्बन्धी मान्यता जान सकेंगें.
4	विविध वाद और बिम्ब, प्रतीक आदि को विस्तार से समझेंगे.
12	**हिंदी नाटक / एकांकी**
1	आधुनिक हिंदी नाटक और एकांकी के उद्भव और विकास की जानकारी होगी.
2	नाट्य विधा की प्रकृति और सरंचना की समझ विकसित होगी.
3	नाटककारों के युग की सामाजिक- राजनीतिक- सांस्कृतिक- धार्मिक परिस्थितियों को समझेंगे
4	भारत-दुर्दशा , ध्रुवस्वामिनी,बकरी और अन्य एकांकी का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे.
13	हिंदी आलोचना
1	आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी.
2	रचना का विश्लेषण करने में सक्षम बनेगा.
3	रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता का विकास होगा.
4	रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित होगा.
14	हिंदी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएं
1	**विद्यार्थी हिंदी साहित्य की विभिन्न गद्य विधाओं से परिचित हो सकेंगें.**
2	**निबंधकारों की रचनाओं और उनके योगदान को समझेंगे.**
3	**जीवनी / आत्मकथा जैसी विधाओं के कलेवर को समझते हुए इस दिशा में अग्रसर होंगें.**
4	**इस पाठ्यक्रम से छात्र , विश्लेषण और रचना प्रक्रिया को समझेंगे.**
15	हिंदी की मौखिक और लोक- साहित्य परम्परा
1	**आज हिंदी का दायरा बहुत विस्तृत हुआ है, जिसमे मीडिया, फिल्म्स , सोशल मीडिया शामिल है.**

2	**ऐसे में इस प्रश्नपत्र के जरिये विद्यार्थी हिंदी की विकास यात्रा को समझ पायेंगें.**
3	**लिखित और मौखिक साहित्य से ज्ञान की विभिन्न पहलुओं को समझेंगें.**
4	**पर्यटन , लोकसंगीत,और नृत्य में रूचि विकसित होगी**
16	**अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य**
1	**अस्मिताओं का सैध्धान्तिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगी.**
2	**रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण विकसित होगी.**
3	**विभिन्न अस्मिताओं की समस्यायों और उसके परिवेश को समझाना .**
4	**विमर्श मूलक कथा साहित्य, कविता , गद्य विधा को समझेंगे**
17	भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच
1	भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच के उद्भव और विकास को लेकर एक समझ विकसित होगी।
2	रंगमंच की विभिन्न पद्धतियों और उनसे जुड़े विद्वानों से परिचय का अवसर प्राप्त होगा।
3	भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच का स्वतंत्र अध्ययन, उनमे मूलभूत समनताएँ और अंतर को समझ सकेंगे
4	नाटक और रंगमंच का सम्बंध, विभिन्न सामाजिक पहलुओं का अध्ययन तथा नवीन विधाओं के विश्लेषण का अवसर प्राप्त होगा।
18	हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
1	यह पाठ्यक्रम विद्यार्थिओं के भाषागत रूप को शुद्ध करने का प्रयास करता है.
2	विद्यर्थियों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा.
3	हिंदी भाषा का व्याकरणिक रूप को स्थिर किया जा सकेगा.
4	हिंदी भाषा को संतुलित रूप प्रदान करने में और सर्वमान्य भाषा का प्रयोग करने में यह पाठ्यक्रम सक्षम है.
19	**कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश**
1	कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी
2	कोश के प्रकार, निर्माण, रखरखाव एवं प्रयोग की विधियों से परिचित हो पाएंगे.
3	कोश की उपयोगिता और महत्व को समझेंगें.
4	शब्द संकलन , चयन, कोश वर्गीकरण को विस्तार से समझेंगें
20	भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रुपरेखा
1	भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय प्राप्त करेंगे.
2	अखिल भारतीय साहित्य की अवधारणा और व्यावहारिकता की समझ विकसित होगी.
3	भारतीय साहित्य की सामयिक स्वरूप को समझेंगें.
4	अतीत से वर्तमान तक साहित्य के परिवर्तन को विस्तार से समझेंगें.
21	**लोकनाट्य**
1	भारतीय लोकनाट्य की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्राप्त होगी.
2	कुछ प्रमुख नाट्य कृतियों से विश्लेषण क्षमता पुष्ट होगी.
3	पर्यटन,लोक-संगीत,विभिन्न नाट्य रूपों में रूचि जागृत होगी.
4	लोक-भावना,और भारत बोध के बीच संवाद होगा
22	हिंदी की भाषिक विविधताएँ
1	हिंदी के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों को लेकर व्यावहारिक समझ विकसित होगी तथा कबीर , अमीर खुसरो के माध्यम से आरम्भिक हिंदी का परिचय प्रा प्त होगा ,दक्कनी हिंदी

	,उर्दू और हिंदी का सम्बंध और आधुनिक साहित्यिक भाषा के रूप में हिंदी की यात्रा का अध्ययन करेंगे
2	हिंदी –उर्दू मिश्रित शायरियों को पढ़ते हुए हिंदी की भाषिक विविधता से परिचित होंगे।
3	बनारसी दास के अर्धकथानक और ग़ालिब की शायरी के माध्यम से भाषिक विविधता की संवेदनात्मक समझ विकसित होगी।
4	इंशा अल्ला खाँ और फ़णीश्वरनाथ रेणु की कहानियों के माध्यम से प्राचीन हिंदी के क्षेत्रीय स्वरूप की समझ विकसित होगी
23	भारतीय साहित्य पाठपरक अध्ययन
1	भारतीय साहित्य के आदिकवि वाल्मीकि के ग्रन्थों का विस्तार से परिचय प्राप्त करेंगें.
2	मराठी और तेलुगु कवियों का साहित्यिक योगदान को समझ सकेंगें.
3	बंग्ला साहित्य और रविन्द्र नाथ टैगोर की कवितओं के महत्व को समझेंगें.
4	उपन्यास, जीवनी , नाटक और कहानी आदि विधाओं को विस्तृत रूप से समझेंगें.
24	शोध-प्रविधि
1	विद्यार्थियों में शोध के प्रति जागरूकता बढेंगी.
2	शोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी.
3	शोध की आवश्यकता को समझेंगे.
4	शोध में मौलिकता की अनिवार्यता को समझेंगे
25	अवधारणात्मक साहित्यिक पद
1	**इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सिखने – सिखाने की प्रक्रिया में भारतीय और पश्चिमी आलोचना के सिद्धांतों को समझेंगे.**
2	**साहित्य की आलोचना के प्रतिमानों को में आने वाले पारिभाषिक शब्दों को विस्तार से पढेंगे.**
3	**पारिभाषिक शब्दों के माध्यम से अर्थ बोध को जान सकेंगे.**
4	**अवधारणा मूलक शब्दों का ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी आलोचना की सैद्धांतिकता का विश्लेषण कर सकेंगें**
26	**हिंदी रंगमंच**
1	रंगमंच का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा.
2	हिंदी रंगमंच के विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण विचारकों को समझेंगें.
3	रंगमंच के विकास के साथ साथ विभिन्न शैलियों की जानकारी प्राप्त होगी.
4	पारम्परिक और आधुनिक रंगमंच के भारत बोध विकसित होगा.
27	**कंप्यूटर और हिंदी भाषा**
1	विद्यार्थी कंप्यूटर को हिंदी माध्यम से सीखकर आत्म विश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा.
2	हिंदी के विभिन्न फॉण्ट सीखकर कंप्यूटर पर सुगमता से कार्य कर सकेगा.
3	ई गवर्नेंस , ई लर्निंग, एस.एम.एस. की हिंदी का प्रयोग कर पायेगा.
4	कंप्यूटर और हिंदी के माध्यम से आधुनिक रोजगार सुगम होगा.
28	**विज्ञापन और हिंदी भाषा**
1	बाजार,विज्ञापन और वाणिज्य की जानकरी प्राप्त होगी.

2	हिंदी में व्यापन निर्माण, प्रसार और प्रभाव का अध्धयन विश्लेषण कर सकेंगे.
3	विज्ञापन की भाषा और लेखन को समझेंगें.
4	प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे.
29	**सोशल मीडिया**
1	सोशल मीडिया का विकास के साथ-साथ भाषा, समाज औए संस्कृति को समझेंगे.
2	सोशल मीडिया और आचार संहिता की जानकरी प्राप्त होगी.
3	सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को जान सकेगें
4	सोशल मीडिया के विविध पक्षों को विस्तृत रूप से जान पाएंगे.
30	अनुवाद कौशल
1	भारत के भाषाई परिदृश्य को समझते हुए अनुवाद के स्वरूप,महत्व एवं प्रकार आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2	अनुवाद की सामग्री, प्रक्रिया एवं अनुवाद के उपकरणों से परिचित होंगे।
३	अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी में सृजनात्मक साहित्य,ज्ञान साहित्य, तकनीकी एवं सामाजिक विज्ञान के साहित्य का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4	अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी द्वारा विद्यार्थी जनसंचार, प्रशासन, बैंकिंग एवं विधि क्षेत्र के अनुवाद का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।
31	कार्यालयी हिंदी
1	इसके द्वारा विद्यार्थी कार्यालयी हिंदी के अभिप्राय, उद्देश्य, स्थिति एवं कार्यालयी हिंदी के विविध प्रयोग क्षेत्रों से परिचित होंगे।
2	इसके अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली, पदनाम, अनुभाग के नाम, संबोधन- निर्देश एवं औपचारिक पदावली से परिचित हो सकेंगे।
3	इस इकाई के अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप जैसे पत्र, ज्ञापन, परिपत्र,अनुस्मारक, अधिसूचना,घोषणा एवं आवेदन आदि से परिचित होंगे।
4	इसके अध्ययन से विद्यार्थी कार्यालयी कामकाज में प्रयुक्त होने वाले टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, प्रतिवेदन एवं अनुवाद अभ्यास आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे
32	भाषाई दक्षता : समझ और संभाषणं
1	छात्रों को भाषा दक्षता : समझ और संभाषण से सम्बन्धित अनेक पहलुओं को जानेगें
2	भाषाई दक्षता,के अनेक आयामों, उसके महत्त्व, प्रयोग विस्तार और शैली की समझ विकसित होगी.
3	व्याकरणिक रूपों की चर्चा के साथ साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को भी समझ सकेंगे.
4	भाषाई दक्षता के कारक तत्व और विकास को जान सकेंगें.
33	भाषा और समाज
1	भाषा और समाज के अंतर्संबंध की जानकरी होगी.
2	समाज भाषा विज्ञान को विस्तृत रूप से समझेंगे.

3	भाषाई समुदाय और भाषाई विविधता के विभिन्न रूप को जान सकेंगें.
4	भाषा के नवीन रूप, सर्वेक्षण और कौशल विकास को समझेंगे.
34	**हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन**
1	विद्यार्थी सिनेमा के विविध पहलुओं यथा भाषा, प्रकार, कोटियाँ आदि से परिचित हो सकेंगे.
2	विद्यार्थियों में सिनेमा अध्ययन की दृष्टि का विकास हो सकेगा और सिनेमा के व्यापक परिप्रेक्ष्य से भी परिचित हो सकेंगे.
3	सिनेमा निर्माण से जुड़े विविध पक्षों जैसे पटकथा, संवाद, गीत–संगीत, नृत्य, कैमरा, लाइट, साउंड, सेंसर बोर्ड, सिनेमा प्रसारण अधिनियम आदि से परिचित हो सकेंगे साथ ही चुनिन्दा फिल्मों के अध्ययन के माध्यम से फिल्म निर्माण की बारीकियों से परिचित हो सकेंगे
4	विद्यार्थी फिल्म समीक्षा तथा उसके व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होने के साथ ही सिनेमा के अलग–अलग घटकों की समीक्षात्मक बारीकियों से परिचित हो सकेंगे.
35	रचनात्मक लेखन GE, BAHHGEC03
1	विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास होगा.
2	विद्यार्थियों में पत्रकारिता, मीडिया , विज्ञापन और सिनेमा के प्रति रूचि पैदा होगी.
3	विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का विकास होगा.
4	विद्यार्थियों को सूचना तंत्र के विविध रूप को जानेगें.
36	पटकथा और सम्वाद लेखन
1	विद्यार्थी पटकथा के मूलभूत पहलुओं से परिचित हो सकेंगे. कहानी, उपन्यास आदि साहित्यिक विधाओं की रचनाओं को पटकथा में रूपांतरित करने की प्रक्रिया से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे.
2	पटकथा लेखन में दक्षता हासिल कर सकेंगे. भविष्य में पटकथा लेखन एवं संवाद लेखन के क्षेत्र में अपनी आजीविका की तलाश के लिए अपने को दक्ष कर सकेंगे.
3	विद्यार्थी संवाद के मूलभूत पहलुओं से परिचित हो सकेंगे.
4	संवाद लेखन में दक्षता हासिल कर सकेंगे. विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ को विकसित करना
37	हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
1	विद्यार्थियों में अनुवाद की समझ विकसित होगी.

2	अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी.
3	भारत का भाषाई परिदृश्य,प्रयुक्ति की अवधारणा को समझेंगे.
4	अनुवाद व्यवहार, प्रशासनिक अनुवाद , बैंकिंग अनुवाद और सर्जनात्मक साहित्य को जान सकेंगे.
38	**भाषा और समाज**
1	भाषा और समाज के अन्तर्सम्बन्ध को जानेंगें.
2	भाषा और जातीयता के विविध रूपों को विश्लेषण कर सकेंगें.
3	भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय के महत्व को जान पाएंगे.
4	भाषा सर्वेक्षण, भाषा व्यवहार और भाषा अस्मिता को समझेंगे.
39	**हिंदी का वैश्विक परिदृश्य**
1	वैश्विक परिदृश्य में हिंदी की स्थिति को जानेगें.
2	हिंदी का विकास और चुनौतियाँ को विस्तृत रूप से समझेंगे.
३	हिंदी सिनेमा और गीतों में रूचि प्राप्त होगी.
4	सोशल नेटवर्किंग साइट्स,हिंदी ब्लाग्स, ई पत्रिका , फेसबुक के उपयोगिता को समझेंगे.
40	**भाषा शिक्षण**
1	विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे.
2	भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय , सामाजिक,शैक्षिक सन्दर्भों को जान सकेंगे.
३	हिंदी शिक्षण विधि और भाषा कौशल को समझेंगें .
4	भाषा मूल्यांकन, भाषा परीक्षण के प्रकार और स्वरूप को जानेगें.
41	**हिंदी क (आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – क)**
1	हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित होगी.
2	राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय होगा.
3	विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित होगी.
4	आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी.
42	**हिंदी ख (आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ख)**
1	हिंदी भाषा और साहित्य के स्वरूप और विकास को समझ सकेंगें.
2	भक्तिकालीन कवि कबीर और तुलसी की रचनाओं के बारे में समझेंगें
3	रीतिकालीन कवि बिहारी और घनानंद के कवितओं के महत्व को समझेंगें
4	आधुनिक कवि निराला और कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की कवितओं की विस्तृत व्याख्या समझेंगें

43	**हिंदी ग (आधुनिक भारतीय भाषा – हिंदी : भाषा और साहित्य – ग)**
1	हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित होगी.
2	राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय होगा.
	विशिष्ट कविताओं के अध्ययन-विश्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित होगी.
3	आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्कभाषा की जानकारी प्राप्त होगी.
44	**हिंदी भाषा और सम्प्रेषण All (Hons) , MIL Hindi**
1	भाषिक सम्प्रेषण के प्रमुख स्वरूप और सिद्धांत को समझ सकेंगें
2	सम्प्रेषण के प्रकार और उसकी चुनौतियों को विस्तृत रूप से समझेंगें
3	अतीत और वर्तमान के सम्प्रेषण माध्यमों के अंतर को पढेंगें.
4	सम्प्रेषण में बोलना और लिखना के महत्वपूर्ण भूमिका को समझेंगें.
45	BA (P), MIL Hindi
1	भाषिक सम्प्रेषण के प्रमुख स्वरूप और सिद्धांत को समझ सकेंगें.
2	सम्प्रेषण के प्रकार और उसकी चुनौतियों को विस्तृत रूप से समझेंगें.
3	अतीत और वर्तमान के सम्प्रेषण माध्यमों के अंतर को पढेंगें
4	प्रभावी व्यक्तित्व के निर्माण में सम्प्रेषण की भूमिका के महत्व को समझेंगें.
46	B.Com (P/Hons), MIL Hindi
1	भाषिक सम्प्रेषण के प्रमुख स्वरूप और सिद्धांत को समझ सकेंगें.
2	भाषायी दक्षता के महत्व, आयाम और संस्कृति को समझेंगें.
3	व्यासायिक सम्प्रेषण के महत्व एवं प्रेजेंटेशन के प्रकार को समझेंगें
4	व्यावसायिक पत्र लेखन ,ज्ञापन,नोट्स आदि लेखन विधियों को सीखेंगे.
47	अनुवाद,व्यवहार और सिद्धांत
1	इसके द्वारा विद्यार्थी भारत के भाषाई परिदृश्य, अनुवाद के स्वरूप, प्रकार, अनुवाद के उपकरण एवं अनुवाद की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
2	इसके अध्ययन से विद्यार्थी प्रयुक्ति की अवधारणा, विविध प्रयुक्ति क्षेत्र, विविध प्रयुक्ति क्षेत्रों से संबंधित सामग्री के अनुवाद की समस्याएं, पारिभाषिक शब्दावली एवं अनुवाद की व्यवसायिक संभावनाओं से परिचित हो सकेंगे।
3	अनुवाद व्यवहार के अंतर्गत विद्यार्थी सृजनात्मक साहित्य, ज्ञान- विज्ञान के साहित्य, तकनीकी साहित्य एवं सामाजिक

	विज्ञान के साहित्य के व्यवहारिक अनुवाद से परिचित हो सकेंगे।
4	अनुवाद व्यवहार के अंतर्गत विद्यार्थी जनसंचार की शब्दावली, प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग का अनुवाद एवं विधि अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष से परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
48	जनपदीय साहित्य
1	जनपदीय साहित्य के मूलभूत तत्वों एवं उसके अलग–अलग प्रकारों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे
2	अलग–अलग प्रदेशों के लोकगीत एवं लोक साहित्य के विविध रूपों को विद्यार्थी जान सकेंगे
3	विद्यार्थी विविध लोककथाओं एवं लोक गाथाओं से परिचय प्राप्त कर सकेंगे
4	विद्यार्थी बिदेसिया, कठपुतली, सांग, ख्याल, माच आदि विविध लोकनाट्यों से परिचित हो सकेंगे
49	**अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य**
1	**अस्मिताओं का सैध्धान्तिक और व्यावहारिक ज्ञान विकसित होगी.**
2	**रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनात्मक विश्लेषण विकसित होगी.**
3	**विभिन्न अस्मिताओं की समस्यायों और उसके परिवेश को समझाना .**
4	**विमर्श मूलक कथा साहित्य, कविता , गद्य विधा को समझेंगे**
50	हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
1	विद्यार्थियों में सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित हो सकेगी
2	विद्यार्थी हिंदी सिनेमा के विकास से परिचित हो सकेंगे.
3	विद्यार्थी चुनिन्दा फिल्मों के अध्ययन के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे
4	विद्यार्थियों में सिनेमा की व्यावहारिक एवं आलोचनात्मक समझ विकसित हो सकेगी